श्री सरस्वती माता जी की आरती
कज्जल पुरति लोचन भारे स्तन युग शोभति मुक्त हारे,
वीणा पुस्तक रंजति हस्ते भगवती भारती देवी नमस्ते ॥

जय सरस्वती माता जय जय हे सरस्वती माता,
सदगुण वैभव शालनिी त्रभिुवन वख्यिाता ॥
जय सरस्वती माता ॥
चंद्रवदना पिदमासनिी घुत मिंगलकारी,
सोहें शुभ हंस सवारी अतुल तेजधारी ॥
जय सरस्वती माता ॥
बायेँ कर में वीणा दायें कर में माला,
शीश मुकुट मणी सोहें गल मोतयिन माला ॥
जय सरस्वती माता ॥
देवी शरण जो आयें उनका उद्धार कयिा,
पैठी मंथरा दासी रावण संहार कयिा ॥
जय सरस्वती माता ॥
वद्यिा ज्ञान प्रदायनिी ज्ञान प्रकाश भरो,
मोह और अज्ञान तमिरि का जग से नाश करो ॥
जय सरस्वती माता ॥
धुप दपि फल मेवा माँ स्वीकार करो,
ज्ञानचक्षु दे माता भव से उद्धार करो ॥
जय सरस्वती माता ॥
माँ सरस्वती जी की आरती जो कोई नर गावें,
हतिकारी सुखकारी ग्यान भक्ती पावें ॥
जय सरस्वती माता ॥
जय सरस्वती माता जय जय हे सरस्वती माता,
सदगुण वैभव शालनिी त्रभिुवन वख्यिाता॥
जय सरस्वती माता ॥